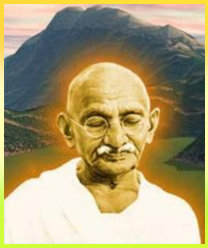

गांधी विनोबा द्वारा स्थापित-प्राणीमात्र को सुखी, सुरक्षित,
स्वस्थ रखने एवं गोरक्षा के लिये पूर्णतः समर्पित संस्था

सर्वोदय विचार परिषद्

१३२/१ महात्मा गाँधी रोड, कोलकाता-७

फो:२२७०७११४, मो:९४३३०२३९९९ email : satyagrah2@gmail.com

सर्वोदय विचार परिषद्, कामधेनु विश्व विद्यापीठ, राष्ट्रीय अहिंसा मंच का

वार्षिक सम्मेलन आमंत्रण

गौरक्षा का आगामी **वार्षिक सम्मेलन, लाड़वा गौशाला,** हिसार, हरियाणा में **11 से 15 अगस्त** होगा। इसमें सभी गौभक्तों- देशभक्तों का स्वागत है जिनके लिए गौमाता किसी भी व्यक्ति, पार्टी या संगठन से बड़ी है। जो गौरक्षा और भारत माता को प्राथमिकता देते हैं। जो देश और गौ माँ के लिए सब कुछ करने तैयार हैं। समय+सहयोग दानी सदस्य हैं। 11 अगस्त शाम 5 बजे उद्‌घाटन + परिचय सत्र और 15 अगस्त सुबह 10 बजे से पूर्णाहुति सत्र होगा। पांचो दिन उपस्थित रहेंगे तो ही पूरा लाभ मिलेगा। रोज सुबह **गौपूजन** + **गौ आरती** + **गौ परिक्रमा** होगी।

12,13,14 अगस्त की दिन चर्या

सुबह 6 से 7 ध्यान, प्राणायाम (ऐच्छिक)	रात 9 से 10 ध्यान / चर्चा (ऐच्छिक)
सुबह 7 से 9 **गौपूजन** + स्वास्थ्य चर्चा	दोपहर 3 से 5 प्रशिक्षण / आपस में चर्चा
सुबह 9 से 10 कच्ची-सब्जी/सलाद/जूस	शाम 5 से 6 आयुर्वेदिक चाय
सुबह 10 से 1 पहला सत्र	**शाम 6 से 8 दूसरा सत्र**
दोपहर 1 से 3 भोजन और विश्राम	रात 8 से 9 भोजन या फल

चर्चा के विषय -- **गौरक्षा** के लिये क्या किया जाये? कौन क्या करेगा? **कैसे पूर्ण गौवंश की रक्षा हो** = **सच्ची आजादी मिले** = **व्यवस्था परिवर्तन हो** = **स्वतंत्रता सैनानियों** + **राजीव दीक्षित के सपनो का भारत बने** = **राम राज्य जैसा सुशासन स्थापित हो?** कैसे जन जन में गौ माँ के प्रति कर्तव्य बोध जगाया जाये? **गौपालक** + **गौव्रती** + **पंचगव्य पदार्थो के प्रयोगकर्ता बनाया जाये?** कैसे सभी गौशालाएँ स्वावलम्बी हों, कैसे किसान / गौपालक, गौधन को बेचना बंद करें। गौबर गैस, गोबर गौमूत्र की खाद, गोबर से शवदाह और **शाकाहार** को बढ़ावा दिया जाये। बैलों का उपयोग बढ़े, नस्ल सुधार हो, सारे मानव स्वस्थ+सुखी हो। अपना वक्तव्य लिख कर लायें । **तन-मन-धन** से सम्मिलित हों। **तन** = पांचो दिन उपस्थित रहें, **मन** =सुझाव+शुभाशीश दें, **धन =** आर्थिक सहयोग करें। **नियम** = प्रवचन कम, चर्चा अधिक, सभी ५ मिनट में अपनी बात कहें। **आलोचना** + **आत्म प्रशंसा से बचें।** केवल गौरक्षा संबंधी बात हो। किसी कारणवश न आ सकें तो अपनी बात लिख भेजें।

लाड़वा गौशाला, जिला हिसार, हरियाणा में है। दिल्ली से हिसार बस/ ट्रेन से (४ घंटे)। वहां से ऑटो से गौशाला आधा घंटा है। **लाड़वा गौशाला** दान नहीं लेती, दूध नहीं बेचती, घी बेचती है। **२०० उत्पाद, पंचगव्य और प्राकृतिक चिकित्सा** से साल के **4 करोड़ रुपये** का अर्जन करती है जिससे **1800 गौवंश+100 परिवारों** का पालन होता है। यह **100% आत्मनिर्भर गौशाला** प्रेरणा का स्रोत है, अनुकरणीय है। भारत में अनेक गौशालाओं के पास ज्यादा जमीन, ज्यादा गौधन, ज्यादा संसाधन है। वे भी लाडवा का अनुसरण करें तो ज्यादा अर्जन कर सकती है, अतः इस सम्मेलन की सफलता तभी है जब अनेक गौशालाएँ लाडवा गौशाला जैसी बने। **भोजन आदि हेतु पंजीकरण शुल्क 500 रुपये Sarvoday Vichar Parishad, Syndicate Bank A/c 95051010103870 IFSC SYNB0009505** में जमा करायें।

मठ, मंदिर, ट्रस्ट, आश्रम के प्रधान, ट्रस्टी, प्रबंधक कृपया ध्यान दें

एक तरफ भारत में लाखों मठ, मंदिर, ट्रस्ट, आश्रम हैं जिसके पास बहुत जमीन भी है और बहुत पैसा भी है। दूसरी तरफ भारत के हजारों शहरों और गांवों में लाखों गौवंश है जिसे लोग आवारा पशु कहते हैं। जो दर दर की ठोकरें खा रहा है। भूख से व्याकुल हो खेत में जाता है तो किसान के डंडे खाने पडते हैं। शहरों की सडकों पर कूडा खाने को मजबूर विश्व माता गौ का सडक दुर्घटना में घायल होना अकसर देख कर मन दुखी होता है।

वस्तुत: वह जीवंत मंदिर है जिसमें 33 कोटि देवी देवताओं का वास है। जो राम कृष्ण द्वारा पूजित है। जो चलता फिरता औषधालय है। जो २४ घंटों में भूंसे को अनमोल गोबर में बदल देती है। जो पानी को औषधि बना देती है। जो खली चोकर चुन्नी सब्जी के छिलको को खा कर अमृत तुल्य दूध देती है। सही मायने में गौधन भारत की अर्थ व्यवस्था का आधार है। इसीलिए **संविधान के अनुच्छेद 48** में सरकार को निर्देश दिया गया है कि वह दूध देने और भार ढोने वाले पशुधन की रक्षा और संवर्धन करे। जब गौवंश प्रचूर मात्रा में था, भारत सोने की चिडिया कहलाता था। जैसे जैसे गौवंश कम और दुखी हुआ, वैसे वैसे भारत में दुख, रोग, अपराध, हिंसा, तनाव आदि बढते गये। इसके गोबर में इतनी शक्ति है कि बंजर भूमि को भी हरा भरा कर सकती है। इसी कारण **सर्वोच्च न्यायालय ने अपने आदेश दिनांक 26-10-2005** में लिखा है कि गाय मरते दम तक अनुपयोगी नहीं होती क्योंकि वह अंत समय तक गोबर देती है। इस आदेश का भी अनुपालन हो तो एक भी गौवंश के प्राण खतरे में नहीं रहेंगे। सरकार संविधान और सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों का पालन नहीं कर रही है तो हम सबको मिल कर **भारत मां और गौ मां** को बचाना होगा।

आप और आपका संस्थान सैंकडो गौवंश पालने में समर्थ है। बाडा बना कर रखने से बहुत खर्च भी नहीं बैठता है। गोबर से गैस, खाद और बिजली बनाई जाये तो भी खर्च से ज्यादा कमाई संभव है। अन्य पंचगव्य पदार्थ और औषधि बना कर तो करोड़ों की कमाई संभव है। गोबर के कंडो पर शवदाह की परम्परा जोर पकड रही है। जिससे पेड अर्थात पर्यावरण और गौवंश की रक्षा हो रही है। **गाजियाबाद** में ऐसा प्रयोग सफल हो चुका है। उदाहरण स्वरुप **मान मंदिर बरसाना माताजी आदर्श गौशाला** चला रहा है। गोबर गैस से बिजली भी बन रही है। **तिरूपति मंदिर, पालिताना मंदिर** जब गौवंश पाल सकते हैं तो आपका संस्थान भी पाल सकता है। **रामचंद्रपुर मठ**, कर्नाटक सभी प्रजाति के गौवंश का पालन पोषण कर रहा है। आशाराम बापू के लगभग सभी आश्रमों में गौपालन और पंचगव्य उत्पाद बनता है। **कनेरी मठ** कोल्हापुर हाइड्रोपोनिक घांस उगा कर गाय के खाने का खर्च एक तिहाइ कर लिया है। समाधि खाद बनाने में भी अभूतपूर्व अनुसंधान किया है। अनेक ट्रस्ट गौपालन कर रहें हैं या गौशालाओं को अनुदान दे, करवा रहें हैं। राजलदेसर के **श्री ललित जी** बैलगाडी बना कर हजारों परिवारों को रोजगार दिया है। **हरियाणा जिला हिसार के छोटे से शहर लाडवा में गौशाला के पास १८०० गौवंश, ३८ एकड़ भूमि है। वे प्रतिवर्ष गोबर-गौमूत्र की औषधि से करोड़ों रूपये कमा रहें हैं। पूसद में नेडेप काका के सुपुत्र अविनाश काका केवल १ गाय के गोबर से डेढ़ लाख प्रतिवर्ष कमा रहें हैं। गजनेर जिला कोलायत राजस्थान में माहेश्वरी परिवार गोबर गौमूत्र से लगभग इतना ही कमा रहे हैं। ये तीनो दूध नहीं बेचते।**

संत शिरोमणि दत्तशरणानंदजी की प्रेरणा से ओरछा में राम मंदिर के व्यवस्थापकों ने मंदिर को **गोव्रती** बनाने का शुभ निर्णय लिया। अर्थात मंदिर में केवल देसी गौवंश के दूध, दही, घी से बने पदार्थों का हो भोग लगेगा। **गोपालमणिजी** के अनुसार वही मंदिर प्राणवान है, जिसमे गौ माँ रहती हो। हर मंदिर १-१ गौ माँ + नंदी भी पलने लगे तो गौरक्षा हो जायेगी। गौ नवरात्री श्री जगन्नाथ पुरी में **गोपाल शरणजी महाराज** ने ऐसे गौधन के पालन हेतु सहयोग देने की घोषणा की। विश्वास है आप हमारी प्रार्थना स्वीकार कर यथाशीघ्र सड़क पर घूमने वाले गौवंश का पालन करने का शुभ निर्णय लेंगे। साथ ही इसकी धूम धाम से इसकी शुरुआत और घोषणा करेंगे, ताकि अन्य **मंदिरों, आश्रमों, मठों** को प्रेरणा मिले। यह लेख **गौभक्त हरविंदरजी (**पंजाब) की प्रेरणा से लिखा गया। इसे छपा कर बंटवा सकते हैं।